स्टार यूनियन डायची दोबारा लाएगी पीटीसीबी यूलिप

बिजनेस भास्कर • नई दिल्ली

स्टार यूनियन डायची लाइफ इंश्योरेंस ने जनवरी महीने के आखिर तक अपनी प्रभात तारा चाइल्ड बेनेफिट यूलिप प्लान को फिर से बाजार में उतारने की योजना बनाई है। प्रभात तारा चाइल्ड बेनेफिट यूलिप प्लान एक यूनिट लिंकड चाइल्ड प्लान है। यह प्लान रिस्क कवर पालिसी है जहां पैरेंट की असामयिक मौत की स्थिति में बच्चे के भविष्य को कवर किया जाता है।

स्टार यूनियन डायची लाइफ इंश्योरेंस प्राइवेट लिमिटेड के सीईओ एवं एमडी के सहाय ने बताया कि कंपनी का यह प्लान 1 सितंबर 2010 को नए दिशानिर्देशों के जारी होने के बाद प्रासंगिक नहीं रह गया था, जिसकी वजह से इसे बंद कर देना पड़ा था। अब कंपनी ने इसे इरडा के नए दिशानिर्देशों के अनुकूल ढाल दिया है जिसके बाद इसे कंपनी फिर से बेचेगी।

निजी क्षेत्र की ही एक अन्य कंपनी एचडीएफसी लाइफ के एमडी एवं सीईओ अमिताभ चौधरी ने नए यूलिप उत्पादों को लाने की कंपनी की योजना के बारे में पूछे जाने पर बताया कि अपने आंतरिक कस्टमर रिसर्च और उभरती ग्राहक जरूरतों के अनुरूप हमारी योजना आगे आने वाले वर्षों में कई अनोखी आफरिंग लांच करने की है जिनका लक्ष्य महिला, युवा आदि जैसे विधि कस्टमर सेगमेन्ट होंगे। उन्होंने बताया कि ये प्रोडक्ट दोनों ही यूनिट लिंकड और पारंपरिक प्लेटफार्म दोनों ही प्रकार के तहत होंगे।

इरडा द्वारा यूलिप के लिए जारी नए दिशानिर्देशों का कंपनी के कारोबार पर पड़ने वाले असर के बारे में पूछने पर स्टार यूनियन डायची लाइफ इंश्योरेंस के सीईओ के सहाय ने बताया कि यूलिप के पेंशन प्लान की बिक्री काफी घट गई है। उन्होंने कहा कि केवल उन्हीं की कंपनी को नहीं बल्कि इस क्षेत्र से जुड़ी सारी कंपनियों को एक किस्म का सेटबैक सा लगा है। कंपनियों के लिए अब यह ज्यादा आकर्षक नहीं रहा। साथ ही, एजेंटों का कमीशन भी कम हो गया है इसलिए उन्हें भी यह ज्यादा रास नहीं आ रहा। लेकिन ग्राहकों को जरूर इससे लाभ हुआ है क्योंकि इससे जुड़े उनके खर्चों में कमी आ गई है। निवेशक इस पैसे का निवेश के लिए अन्यत्र उपयोग कर सकते हैं। लेकिन कंपनियों या एजेंटों को ये दिशानिर्देश ज्यादा रास नहीं आ रहे हैं। कंपनियां ज्यादा यूलिप प्लान खासकर यूलिप पेंशन प्लान नहीं बेच पा रही हैं जबकि कमीशन कम होने से एजेंटों को भी ये रास नहीं आ रहे।

फेरबदल

कंपनी का यह प्लान 1 सितंबर 2010 को नए दिशानिर्देशों के जारी होने के बाद प्रासंगिक नहीं रह गया था, जिसकी वजह से इसे बंद कर देना पड़ा था। अब कंपनी ने इसे इरडा के नए दिशानिर्देशों के अनुकूल ढाल दिया है जिसके बाद इसे कंपनी फिर से बेचेगी।